No. of Printed Pages : 8

MSW–016

MASTER'S DEGREE IN SOCIAL WORK (COUNSELLING)

(MSWC)

Term-End Examination

June, 2026

MSW-016 : FIELDS OF COUNSELLING

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answer to question nos. 1 and 2 should not exceed **600** words each.*

---

1. Discuss the importance and scope of counselling in legal setting. 20

Or

Explain palliative care, its principles and services.

2. Define Stress. Explain the models and techniques of stress management. 20

Or

Describe the challenges in working with terminally ill children.

3. Answer any *two* of the following questions in about **300** words each :

   (a) Discuss the importance of counselling services for children with juvenile delinquency in India. 10

   (b) Explain the role of a care giver in different settings. 10

   (c) Highlight the importance of pre-marital counselling. 10

(d) Briefly discuss the need and importance of educational counselling with regard to school children. 10

4. Answer any *four* of the following questions in about **200** words each :

(a) Briefly explain the jurisdiction 4 Sections of Family Court Act, 1984. 5

(b) Explain the principles of feminist approaches to counselling. 5

(c) Define grief and bereavement. 5

(d) Enlist the elements of sexual health as listed by the WHO. 5

(e) Explain the importance of counselling in mental health. 5

(f) Mention the components of counselling in de-addiction. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :

(a) Hospice Care 4

(b) ABC analysis 4

(c) Domestic Violence Act, 2005 4

(d) Motivation Enhancement Therapy 4

(e) Guidance Services 4

(f) Career Counselling 4

(g) Window period 4

(h) Rehabilitation 4

MSW–016

समाज कार्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(परामर्श)

(एम. एस. डब्ल्यू. सी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.एस.डब्ल्यू.-016 : परामर्श के क्षेत्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

*(iii) प्रश्न संख्या **1** और **2** के उत्तर **600** शब्दों (प्रत्येक) से अधिक नहीं होने चाहिए।*

---

1. कानूनी परिवेश में परामर्श के महत्व व कार्यक्षेत्र पर चर्चा कीजिए। 20

अथवा

प्रशामक देखभाल, इसके सिद्धांतों एवं सेवाओं की व्याख्या कीजिए।

2. तनाव को परिभाषित कीजिए। तनाव प्रबंधन के प्रारूपों और तकनीकों की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

असाध्य रूप से बीमार बच्चों के साथ काम करने में आने वाली चुनौतियों का वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **300** शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) भारत में किशोर अपराध में लिप्त बच्चों के लिए परामर्श सेवाओं के महत्व पर चर्चा कीजिए। 10

(ख) विभिन्न परिवेशों में देखभालकर्ता की भूमिका की व्याख्या कीजिए। 10

(ग) विवाहपूर्व परामर्श के महत्व पर प्रकाश डालिए। 10

(घ) स्कूली बच्चों के सन्दर्भ में शैक्षिक परामर्श की आवश्यकता और महत्व पर संक्षेप में चर्चा कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200** शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) पारिवारिक न्यायालय अधिनियम, 1984 के क्षेत्राधिकार 4 धाराओं को संक्षेप में बताइये। 5

(ख) परामर्श के लिए नारीवादी दृष्टिकोण के सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए। 5

(ग) दु:ख और शोक को परिभाषित कीजिए। 5

(घ) डब्ल्यू. एच. ओ. (WHO) द्वारा सूचीबद्ध यौन स्वास्थ्य के तत्वों की सूची बनाइये। 5

(ङ) मानसिक स्वास्थ्य में परामर्श के महत्व को समझाइये। 5

(च) नशा मुक्ति में परामर्श के घटकों का उल्लेख कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) प्रशामक देखभाल 4

(ख) ए. बी. सी. विश्लेषण 4

(ग) घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 4

(घ) प्रेरणा वृद्धि चिकित्सा 4

(ङ) मार्गदर्शन सेवाएँ 4

(च) कैरियर परामर्श 4

(छ) विंडो अवधि 4

(ज) पुनर्वास 4

× × × × ×